



सेवा मेरे

स्त्रीमान तदृशीलदार महोदय
जरवनियों-गाजीपुर

विषय- मौजा लड़काई हकी २००८ ४५५ अ ४६, १४८५ से
एवं पान छासीक भवन एवं शब्दशास्त्री भाग का उपयोग
एवं द्वितीय छांप के आरंभिक चालप प्रयोग से लूप
किए जाने के सम्बन्ध में अधि-पत्र-

भ्रोडप

निवेदन हृषके अध्यक्षा। नेपरमेन तदृशील श्रीमान
एवं धर्मान लड़काई गाजीपुर से उपरोक्त विषय के
भ्रुधारे २००८ ४५५, ४६, १४८५ एवं अन्यान्य मर्मांग वाले
छलवाला इस असीन पर किए प्रकार का कोई अधिकार
नहीं किए जाते हैं।

अतः स्त्रीमान जी के प्राप्तिनाप के
उपरोक्त बातों को ध्यान में लेते हुए २००८ ४५५, ४६,
१४८५ की जो के वी ज्ञान करके भवन/मर्मांग —
के छलवाला भ्राता कोई असीन पर काप नहीं किए जाते हैं
इसका आकार एवं उपरोक्त लेखपाल से मानकर्मांग को
की शुपाकरी।

ग्रहिताप

अधिकारी ग्रहितापों अनुमान के २९-६-२२ को
२००८ ४५५, ४६, १४८५ आपवाहनों के विपालन/
ग्रहिताप श्रीमान एवं अन्यान्य अवगत एवं अवगत
वृक्षों का उपयोग अद्वितीय अद्वितीय अवगत अवगत
किए प्रकार का कोई आप नहीं किए जाते हैं।

अतः ऐसे ही अवगत अवगत

कानूनी अवगत
२९-६-२२

कानूनी अवगत
२९-६-२२

ग्रहिताप
लोकों के अवगत अवगत

